■ 3. राष्ट्रीय आय की धारणा

(Concept of National Income)

राष्ट्रीय आय का अर्थ है एक देश के सभी सामान्य निवासियों द्वारा एक वर्ष की अवधि में अर्जित कुल साधन आय का जोड़। (National Income is the sum total of factor incomes earned by all normal residents of a country during the period of one year.)

राष्ट्रीय आय से अभिप्राय साधन आयों के जोड़ से है। राष्ट्रीय आय से अभिप्राय किसी देश के सामान्य निवासियों द्वारा प्रदान की गई साधन सेवाओं के बदले में प्राप्त आय (लगान, ब्याज, लाभ, मजदूरी) के जोड़ से है।

$$NY = \sum_{i=1}^{n} FY_i$$

यहां NY = राष्ट्रीय आय

Σ = कुल जोड़ का चिह्न (इसे सिगमा कहते हैं)

FY = साधन आय

$i = 1 \rightarrow n$: एक देश के सभी सामान्य निवासी।

Scanned with CamScanner

सामान्य निवासी कौन हैं?
सामान्य निवासी वह व्यक्ति है
(i) जो सामान्यत: किसी देश में रहता है।
(ii) जिसकी आर्थिक रुचि उस देश में केन्द्रित है।

■ परिभाषा
(Definition)

भारत में राष्ट्रीय आय का अनुमान लगाने वाली सरकारी संस्था – केन्द्रीय सांख्यिकी संगठन के अनुसार, "राष्ट्रीय आय किसी देश के सामान्य निवासियों द्वारा एक लेखा वर्ष में मजदूरी, लगान, ब्याज तथा लाभ के रूप में अर्जित साधन आय का योग है।" (National Income is the sum total of factor incomes earned by the normal residents of a country in the form of wages, rent, interest and profit in an accounting year. **-Central Statistical Organisation.)**

■ उत्पाद से आय का सृजन होता है *(Production Generates Income)*

राष्ट्रीय उत्पाद से अभिप्राय राष्ट्रीय आय है।
उत्पादन का मूल्य वह मूल्य है जो साधन आय के रूप में वितरित कर दिया जाता है। शून्य उत्पाद से अभिप्राय होगा शून्य आय। अतएव राष्ट्रीय उत्पाद, राष्ट्रीय आय का एक अन्य रूप है।

क्या उत्पाद के बिना आय संभव है? बिल्कुल संभव नहीं है।
आप आय प्राप्त करने के लिये साधन सेवायें किन्हें प्रदान कर रहे है? सिर्फ उत्पादकों को। आपकी साधन सेवाओं का उपयोग कैसे किया जाता है? इनका उपयोग वस्तुओं तथा सेवाओं के उत्पादन के लिये किया जाता है। इसलिये शून्य उत्पादन का अर्थ है शून्य आय तथा अधिक उत्पादन का अर्थ है अधिक आय। वास्तव में, उत्पादन का मूल्य वह मूल्य है जो साधन आय के रूप में वितरित किया जाता है। इसलिये राष्ट्रीय आय को राष्ट्रीय उत्पाद अर्थात् एक वर्ष की अवधि में उत्पादित वस्तुओं तथा सेवाओं के बाजार मूल्य के रूप में भी परिभाषित किया जाता है।

■ परिभाषा
(Definition)

कुजनेट्स के अनुसार, "राष्ट्रीय उत्पाद एक देश के सामान्य निवासियों द्वारा एक वर्ष में उत्पादित अन्तिम वस्तुओं और सेवाओं के बाजार मूल्य का जोड़ है।" (The sum total of the market value of final goods and services produced by normal residents of a country in one year is known as national product. - **Kuznets.**)

■ समस्त आय अन्तत: व्यय कर दी जाती हैं।
(All Income is Ultimately Spent)

समस्त आय को अन्तत: वस्तुओं तथा सेवाओं को क्रय करने पर खर्च कर दिया जाता है।

Scanned with CamScanner

■ उत्पादन के बाद अन्तिम वस्तुएं तथा सेवायें कहां जाती हैं?
(Where do the final goods and service go after production?)

राष्ट्रीय व्यय से अभिप्राय राष्ट्रीय आय है।
एक वर्ष की अवधि में उत्पादित सभी अन्तिम वस्तुएं तथा सेवायें या तो उपभोक्ताओं द्वारा (उपभोग व्यय) या उत्पादकों द्वारा आगे उत्पादन के लिये (निवेश व्यय) खरीद ली जाती हैं। इस प्रकार अन्तिम वस्तुओं तथा सेवाओं पर किया गया खर्च राष्ट्रीय आय या उत्पाद का एक अन्य रूप है।

उत्पादन के बाद अन्तिम वस्तुओं और सेवाओं को उपभोग के लिये या आगे उत्पादन के लिये खरीद लिया जाता है। उपभोग के लिये अन्तिम वस्तुओं तथा सेवाओं पर किया गया खर्च **उपभोग व्यय** (C) कहलाता है। इसके विपरीत भविष्य में या आगे उत्पादन के लिये **अन्तिम वस्तुओं** पर किया गया खर्च **निवेश व्यय** (I) कहलाता है। इसलिये एक वर्ष में सृजित समस्त आय उपभोग व्यय (C) तथा निवेश व्यय (I) के कुल जोड़ के बराबर होती है। **अतएव राष्ट्रीय आय को किसी देश के सामान्य निवासियों द्वारा एक वर्ष की अवधि में उत्पादित अन्तिम वस्तुओं तथा सेवाओं पर किये गये कुल खर्च के रूप में भी परिभाषित किया जा सकता है, तथा मापा जा सकता है।**

$$NY = C + I$$

यहां NY = राष्ट्रीय आय
C = उपभोग व्यय
I = निवेश व्यय

आप यह विश्वास नहीं कर सकते!
आप यह विश्वास नहीं कर सकते कि सारी आय खर्च कर दी जाती है। हाँ, आप बचत भी करते हैं। जिस सीमा तक आय की बचत की जाती है, उस सीमा तक व्यय या खर्च नहीं हुआ है। जिस सीमा या मात्रा तक लोग अपनी आय की बचत कर लेते हैं उसी सीमा तक वस्तुएं बिना बिके रह जाती हैं। इस संबंध में यह ध्यान रखिये कि **राष्ट्रीय आय लेखांकन** में हमारी यह मान्यता है कि उत्पादकों के पास अनबिकी वस्तुओं का स्टॉक स्वयं उत्पादकों द्वारा ही खरीद लिया जाता हैं और इस प्रकार से यह उनके निवेश व्यय का भाग बन जाता है।

■ 4. राष्ट्रीय आय की तीन अभिव्यक्तियां
(Three Expressions of National Income)

राष्ट्रीय आय को व्यक्त करने के तीन ढंग हैं:

(i) **राष्ट्रीय आय** (NY) = उत्पादित वस्तुएँ × कीमत ($\sum PG$) ⇒ अंतिम वस्तुओं तथा सेवाओं का मूल्य

(ii) **राष्ट्रीय आय** (NY) = $(\sum_{i=1}^{n} FY_i)$ ⇒ **साधन आय का जोड़**

(iii) **राष्ट्रीय आय** (NY) = **उपभोग + निवेश** (C+I) ⇒ **अंतिम वस्तुओं और सेवाओं पर किए गए खर्च का जोड़।**

अब निम्नलिखित बातों पर ध्यान दें।

साधन आय किसे कहते हैं?
उत्पादन के साधनों को उनकी सेवाओं के बदले में प्राप्त होने वाली आय को साधन आय कहते हैं। जैसे भूमि को लगान, श्रम को मजदूरी, पूंजी को ब्याज तथा उद्यमी को लाभ।

(1) वस्तुओं एवं सेवाओं का उत्पादन करने के लिए उत्पादन के साधनों की सेवाओं का प्रयोग किया जाता है। इसका अभिप्राय यह है कि एक वर्ष में राष्ट्रीय उत्पाद अर्थात् वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन के रूप में राष्ट्रीय आय का सृजन किया जाता है।

(2) राष्ट्रीय उत्पाद के मूल्य का वितरण उत्पादन के उन साधनों में किया जाता है जो इनके उत्पादन में सहायक होते हैं। इसका अभिप्राय यह है कि राष्ट्रीय उत्पाद का, उत्पादन के साधनों में लगान, ब्याज, लाभ तथा मजदूरी के रूप में वितरण कर दिया जाता है। इस प्रकार साधन आय के रूप में राष्ट्रीय आय प्राप्त होती है।

Scanned with CamScanner

(3) आय को वस्तुओं और सेवाओं को खरीदने पर खर्च किया जाता है। इसके फलस्वरूप आय को व्यय के रूप में परिवर्तित करके राष्ट्रीय व्यय के रूप में राष्ट्रीय आय का अनुमान लगाया जाता है।
(4) वस्तुओं व सेवाओं पर किया गया खर्च उत्पादकों को उनकी बिक्री से प्राप्त विक्रय मूल्य के रूप में वापिस मिल जाता है। इसके फलस्वरूप उत्पादन, आय वितरण तथा व्यय का दूसरा चक्र आरम्भ हो जाता है। इस प्रकार उत्पादन, आय तथा व्यय का एक चक्रीय रूप बन जाता है। इसे आय का चक्रीय प्रवाह कहते हैं।

■ 5. राष्ट्रीय आय से संबंधित समुच्चय या धारणाएं
(Related Concepts or Aggregates of National Income)

राष्ट्रीय आय के मुख्य समुच्चय (Aggregates) निम्नलिखित हैं:

(1) बाज़ार कीमत पर सकल घरेलू उत्पाद
(Gross Domestic Product at Market Price)

(2) बाज़ार कीमत पर सकल राष्ट्रीय उत्पाद
(Gross National Product at Market Price)

(3) बाज़ार कीमत पर शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद
(Net National Product at Market Price)

(4) बाज़ार कीमत पर शुद्ध घरेलू उत्पाद
(Net Domestic Product at Market Price)

(5) शुद्ध घरेलू आय या साधन लागत पर शुद्ध घरेलू उत्पाद
(Net Domestic Income or Net Domestic Product at Factor Cost)

(6) सकल घरेलू आय या साधन लागत पर सकल घरेलू उत्पाद
(Gross Domestic Income or Gross Domestic Product at Factor Cost)

(7) साधन लागत पर शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद या राष्ट्रीय आय
(Net National Product at Factor Cost or National Income)

(8) साधन लागत पर सकल राष्ट्रीय उत्पाद या सकल राष्ट्रीय आय
(Gross National Product at Factor Cost or Gross National Income)

(9) राष्ट्रीय प्रयोज्य आय (सकल/शुद्ध) (बाजार कीमत और साधन लागत पर)
(National Disposable Income - Gross/Net at Market Price and Factor Cost)

इन धारणाओं का संक्षिप्त वर्णन निम्नलिखित है:

■ (1) बाज़ार कीमत पर सकल घरेलू उत्पाद
(Gross Domestic Product at Market Price- GDP_{MP})

किसी देश की घरेलू सीमा में एक लेखा वर्ष में सभी उत्पादकों द्वारा जितनी भी अन्तिम वस्तुओं और सेवाओं का उत्पादन होता है, जिसमें मूल्य ह्रास भी शामिल होता है। उनकी बाजार कीमत के जोड़ को बाजार कीमत पर **सकल घरेलू उत्पाद** कहा जाता है। कुछ उत्पादक गैर-निवासी या विदेशी भी हो सकते हैं। उदाहरण के लिये, भारत में कई विदेशी बैंक कार्य करते हैं। कई विदेशी व्यापारिक प्रतिष्ठान तथा उद्यम वस्तुओं तथा सेवाओं का उत्पादन करते हैं। इनके द्वारा मूल्य वृद्धि भी भारत के घरेलू उत्पादन का भाग है।

Scanned with CamScanner

घरेलू सीमा क्या है?
किसी देश की घरेलू सीमा की धारणा, राजनीतिक सीमा से अधिक विस्तृत है। इसके अन्तर्गत राजनीतिक सीमा के अतिरिक्त देश की जल सीमा तथा देश के निवासियों द्वारा विभिन्न देशों में चलाए जाने वाले जलयान , वायुयान तथा दूतावास सम्मिलित होते हैं।

■ परिभाषा
(Definition)

किसी देश की घरेलू सीमा में एक लेखा वर्ष में सभी उत्पादकों (सामान्य निवासियों तथा गैर-निवासियों) द्वारा जितनी भी अन्तिम वस्तुओं और सेवाओं का उत्पादन होता है, उनकी बाजार कीमत के जोड़ को बाजार कीमत पर सकल घरेलू उत्पाद कहा जाता है। (Gross Domestic Product (GDP) is the market value of the final goods and services produced during a year within the domestic territory of a country.)

बाजार कीमत पर सकल घरेलू उत्पाद की तीन मुख्य विशेषताएं:

(i) सकल (Gross): सकल घरेलू उत्पाद (GDP) के लिए **सकल** (Gross) शब्द इसलिए जोड़ा गया है क्योंकि इसमें **मूल्यह्रास** (Depreciation) या **स्थिर पूंजी पदार्थों के उपभोग** (Consumption of Fixed Capital) का मूल्य भी शामिल होता है।

(ii) घरेलू (Domestic): इसके अन्तर्गत देश की घरेलू सीमा में एक लेखा वर्ष में सभी उत्पादकों अर्थात् **सामान्य निवासियों** तथा **गैर-निवासियों** दोनों के द्वारा किये गये अन्तिम उत्पादन के मूल्य को शामिल किया जाता है। यह उत्पादन घरेलू कम्पनियों या विदेशी कम्पनियों में से किसी के द्वारा भी किया जा सकता है। **उदाहरण:** भारत में विदेशी कम्पनियों द्वारा किए जाने वाले कारों के उत्पादन को भारत का सकल घरेलू उत्पाद माना जाएगा।

(iii) अन्तिम वस्तुओं और सेवाओं का मूल्य (Value of Final Goods and Services): इसके अन्तर्गत केवल अन्तिम वस्तुओं और सेवाओं के बाजार मूल्य को शामिल किया जाता है। इसके अन्तर्गत मध्यवर्ती वस्तुओं तथा सेवाओं के मूल्य को शामिल नहीं किया जाता क्योंकि उनका मूल्य अन्तिम वस्तुओं तथा सेवाओं के मूल्य में ही शामिल होता है।

■ (2) बाजार कीमत पर सकल राष्ट्रीय उत्पाद
(Gross National Product at Market Price - GNP_{MP})

राष्ट्रीय उत्पाद की धारणा केवल उसी अन्तिम उत्पाद के मूल्य से संबंधित नहीं है जो एक देश की घरेलू सीमा के अन्तर्गत सामान्य निवासियों द्वारा उत्पादित किया जाता है, बल्कि इसमें विदेशों से प्राप्त शुद्ध साधन आय को भी शामिल किया जाता है।

बाजार कीमत पर सकल राष्ट्रीय उत्पाद GNP_{MP} = बाजार कीमत पर सकल घरेलू उत्पाद GDP_{MP} + विदेशों से शुद्ध साधन आय

■ परिभाषा
(Definition)

बाजार कीमत पर सकल राष्ट्रीय उत्पाद एक देश की घरेलू सीमा में सामान्य निवासियों द्वारा एक लेखा वर्ष में उत्पादित अन्तिम वस्तुओं तथा सेवाओं के बाजार मूल्य के अतिरिक्त (i) विदेशों से प्राप्त शुद्ध साधन आय तथा (ii) स्थायी पूंजी के उपभोग का जोड़ है। (Gross national product at market price (GNP_{MP}) is the market value of the final goods and services produced within the domestic territory of a country by the normal residents during an accounting year along with (i) net factor income earned from abroad and (ii) consumption of fixed capital.)

Scanned with CamScanner

हाँ, यह सही है
कोई घरेलू धारणा (जैसे घरेलू आय) राष्ट्रीय धारणा (राष्ट्रीय आय) बन जाती है यदि उसमें विदेशों से शुद्ध साधन आय को जोड़ दिया जाए। इसी प्रकार कोई भी राष्ट्रीय धारणा घरेलू बन जाती है यदि उसमें से विदेशों से शुद्ध साधन आय को घटा दिया जाए।

विदेशों से शुद्ध साधन आय (Net Factor Income From Abroad):
विदेशों से शुद्ध साधन आय देश के सामान्य निवासियों द्वारा विदेशों में अर्जित साधन आय (लगान, मजदूरी, ब्याज तथा लाभ) तथा विदेशियों द्वारा देश में अर्जित साधन आय का अन्तर है।
विदेशों से शुद्ध साधन आय (Net Factor Income From Abroad - NFIA) = **देश के निवासियों द्वारा विदेशों से अर्जित साधन आय – गैर-निवासियों द्वारा हमारे देश में अर्जित साधन आय।**
स्मरण रहे, विदेशों से शुद्ध साधन आय **धनात्मक** या **ऋणात्मक** हो सकती है। यदि विदेशों से शुद्ध साधन आय **धनात्मक** होती है तो सकल राष्ट्रीय उत्पाद, सकल घरेलू उत्पाद से **अधिक** होता है। इसके विपरीत यदि विदेशों से शुद्ध साधन आय **ऋणात्मक** होती है तो सकल राष्ट्रीय उत्पाद, सकल घरेलू उत्पाद से **कम** होता है।

■ (3) बाजार कीमत पर शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद
(Net National Product at Market Price - NNP_{MP})

उत्पादन प्रक्रिया के दौरान, स्थायी पूंजी की कुछ टूट-फूट होती है। इसे घिसावट या स्थायी पूंजी का उपभोग कहते हैं। यदि बाजार कीमत पर सकल राष्ट्रीय उत्पाद में से घिसावट को घटा दिया जाए तो हमें बाजार कीमत पर शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद प्राप्त हो जाता है।
बाजार कीमत पर शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद = बाजार कीमत पर सकल राष्ट्रीय उत्पाद – घिसावट (टूट-फूट + अप्रचलन)

■ परिभाषा
(Definition)

बाजार कीमत पर शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद किसी अर्थव्यवस्था की घरेलू सीमा में एक लेखा वर्ष में सामान्य निवासियों द्वारा उत्पादित अन्तिम वस्तुओं और सेवाओं के शुद्ध उत्पाद के बाजार मूल्य तथा विदेशों से प्राप्त शुद्ध साधन आय का जोड़ है। (Net National Product at market price is the market value of net output of final goods and services produced by normal residents within the domestic territory of a country alongwith net factor income from abroad during an year.)

एक चेतावनी
घिसावट का अनुमान लगाते समय केवल उन पूंजीगत पदार्थों के मूल्य में होने वाली कमी को शामिल किया जाता है जिनका प्रयोग किया जा रहा है। इसके अन्तर्गत केवल अनुमानित अप्रचलन को शामिल किया जाता है जो (a) तकनीक में परिवर्तन, (b) मांग में परिवर्तन करने के कारण होता है। प्राकृतिक दुर्घटनाओं जैसे बाढ़, आग आदि के कारण अचानक होने वाले अप्रचलन को शामिल नहीं किया जाता।

यह ध्यान रखना चाहिए कि घिसावट व्यय या स्थायी पूंजी के उपभोग में तीन प्रकार के खर्चे शामिल होते हैं।
(i) सामान्य टूट-फूट (Normal Wear and Tear): इनसे अभिप्राय उन खर्चों से है जो निरंतर उत्पादन के दौरान स्थायी पूंजी की घिसावट के कारण करने पड़ते हैं।
(ii) अप्रचलन (Obsolescence): इससे अभिप्राय उन खर्चों से है जो उत्पादकों को पूंजीगत मशीनों के पुराना पड़ने पर तथा उनके स्थान पर नई मशीनों के प्रयोग करने के कारण करने पड़ते हैं।
(iii) मशीनों की आकस्मिक हानि (Accidental Breakdown of Machinery)

घिसावट की धारणा (Concept of Depreciation)
घिसावट, जिसे स्थायी पूंजी का उपभोग भी कहते हैं, से अभिप्राय स्थायी पूंजी के मूल्य में तीन कारणों से होने वाली कमी है, जैसे (i) सामान्य टूट-फूट, (ii) अप्रचलन तथा (iii) मशीनों की आकस्मिक हानि।

Scanned with CamScanner

■ (4) बाजार कीमत पर शुद्ध घरेलू उत्पाद
(Net Domestic Product at Market Price - NDP_{MP})

बाजार कीमत पर शुद्ध घरेलू उत्पाद किसी देश की घरेलू सीमा में एक लेखा वर्ष में सभी उत्पादकों द्वारा उत्पादित अन्तिम वस्तुओं तथा सेवाओं के बाजार मूल्य तथा स्थायी पूंजी के उपभोग का अन्तर है।

बाजार कीमत पर सकल घरेलू उत्पाद (GDP_{MP}) और बाजार कीमत पर शुद्ध घरेलू उत्पाद (NDP_{MP}) में केवल मात्र इतना ही अन्तर है कि बाजार कीमत पर सकल घरेलू उत्पाद में घिसावट व्यय शामिल होता है जबकि बाजार कीमत पर शुद्ध घरेलू उत्पाद में यह शामिल नहीं होता।

बाजार कीमत पर शुद्ध घरेलू उत्पाद = बाजार कीमत पर सकल घरेलू उत्पाद – स्थायी पूंजी का उपभोग या घिसावट व्यय

या

बाजार कीमत पर सकल घरेलू उत्पाद = बाजार कीमत पर शुद्ध घरेलू उत्पाद + स्थायी पूंजी का उपभोग या घिसावट व्यय

$$(NDP_{MP} = GDP_{MP} - \text{Depreciation}$$

or

$$GDP_{MP} = NDP_{MP} + \text{Depreciation})$$

■ परिभाषा
(Definition)

बाजार कीमत पर शुद्ध घरेलू उत्पाद एक देश की घरेलू सीमा में सामान्य निवासियों तथा गैर निवासियों द्वारा एक लेखा वर्ष में उत्पादित अन्तिम वस्तुओं तथा सेवाओं के बाजार मूल्य के बराबर है। इसमें से घिसावट मूल्य घटा दिया जाता है। (Net Domestic product at market price is the market value of final goods and services produced with in the domestic territory of a country during an year exclusive of depreciation.)

■ (5) शुद्ध घरेलू आय या साधन लागत पर शुद्ध घरेलू उत्पाद
(Net Domestic Income or Net Domestic Product at Factor Cost - NDP_{FC})

एक देश की घरेलू सीमा के अन्तर्गत एक लेखा वर्ष में उत्पादित साधन आय के जोड़ को शुद्ध घरेलू आय या साधन लागत पर शुद्ध घरेलू उत्पाद कहा जाता है। दूसरे शब्दों में, साधन लागत पर शुद्ध घरेलू उत्पाद को ही शुद्ध घरेलू आय भी कहते हैं। इस प्रकार घरेलू आय = साधन लागत पर शुद्ध घरेलू उत्पाद।

■ परिभाषा
(Definition)

एक देश की घरेलू सीमा में एक लेखा वर्ष में अर्जित साधन आय (लगान + मजदूरी + ब्याज + लाभ) के कुल जोड़ को शुद्ध घरेलू आय अथवा साधन लागत पर शुद्ध घरेलू उत्पाद कहते हैं। (Net Domestic Income or Net Domestic product at Factor Cost (NDP_{FC}) is the sum total of factor incomes (rent + profit +wages + interest) generated within the domestic territory of a country during an year.)

Scanned with CamScanner

साधन लागत पर शुद्ध घरेलू उत्पाद (NDP_{FC}) तथा बाजार कीमत पर शुद्ध घरेलू उत्पाद (NDP_{MP}) में पाये जाने वाले अन्तर को निम्नलिखित समीकरण द्वारा समझाया जाता है:

$NDP_{FC} = NDP_{MP}$ – अप्रत्यक्ष कर (Indirect Taxes) + आर्थिक सहायता (Subsidies)

अथवा

$NDP_{FC} = NDP_{MP}$ – शुद्ध अप्रत्यक्ष कर (NIT) क्योंकि

शुद्ध अप्रत्यक्ष कर (NIT) = अप्रत्यक्ष कर (Indirect Taxes) – आर्थिक सहायता (Subsidies)

एक महत्वपूर्ण अवलोकन

(An Important Observation)

अप्रत्यक्ष कर तथा आर्थिक सहायता एक-दूसरे के विरुद्ध है। अप्रत्यक्ष करों (वस्तुओं तथा सेवाओं पर लगाए जाने वाले कर, जैसे बिक्री कर, उत्पादन कर, आदि) के फलस्वरूप बाजार कीमत में वृद्धि होती है जबकि आर्थिक सहायता के कारण इसमें कमी होती है। आर्थिक सहायता सरकार द्वारा उन उत्पादकों की क्षतिपूर्ति के लिए दी जाती है जो अपनी वस्तुओं को उत्पादन लागत से कम कीमत पर बेचते है। अत: बाजार कीमत में से अप्रत्यक्ष कर को घटाया तथा आर्थिक सहायता को जोड़ा जाता है।

■ (6) साधन लागत पर सकल घरेलू उत्पाद या सकल घरेलू आय

(Gross Domestic Product at Factor Cost or Gross Domestic Income -GDP_{FC})

साधन लागत पर सकल घरेलू उत्पाद (GDP_{FC}) में घिसावट व्यय सम्मिलित होता है, जबकि साधन लागत पर शुद्ध घरेलू उत्पाद (NDP_{FC}) में घिसावट व्यय शामिल नहीं होता। अत:

NDP_{FC} + घिसावट व्यय = GDP_{FC}।

स्पष्ट है कि यदि हमें साधन लागत पर सकल घरेलू उत्पाद (GDP_{FC}) ज्ञात हो तो साधन लागत पर शुद्ध घरेलू उत्पाद निम्नलिखित सूत्र द्वारा ज्ञात कर सकते हैं:

$NDP_{FC} = GDP_{FC}$ – Depreciation

■ परिभाषा

(Definition)

साधन लागत पर सकल घरेलू उत्पाद घरेलू सीमा में एक लेखावर्ष में मजदूरी, लगान, ब्याज तथा लाभ के रूप में अर्जित आय तथा स्थायी पूंजी के उपभोग मूल्य का जोड़ है। (Gross domestic product at factor cost (GDP_{FC}) is the sum total of factor incomes (rent + interest + profit + wages) generated within the domestic territory of a country, alongwith consumption of fixed capital, during an year.)

■ (7) साधन लागत पर शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद या राष्ट्रीय आय

(Net National Product at Factor Cost or National Income - NNP_{FC})

हम यह जान चुके है कि "घरेलू" चर को "राष्ट्रीय" चर में बदलने के लिए उसमें "विदेशों से शुद्ध साधन आय" जोड़ देते है। घरेलू आय अर्थात् साधन लागत पर शुद्ध घरेलू उत्पाद, घरेलू चर है। इसे साधन लागत पर शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद बनाने के लिए इसमें "**विदेशों से शुद्ध साधन आय**" (NNP_{FC}) को जोड़ा जाता है:

Scanned with CamScanner

साधन लागत पर शुद्ध घरेलू उत्पाद + विदेशों से शुद्ध साधन आय = साधन लागत पर शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद

(NDP_{FC} + NFIA = NNP_{FC})

स्मरण रहे (Note): जैसे साधन लागत पर शुद्ध घरेलू उत्पाद को घरेलू आय कहा जाता है, वैसे ही साधन लागत पर शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद को राष्ट्रीय आय कहा जाता है।

परिभाषा (Definition)

किसी एक लेखा वर्ष में किसी देश की घरेलू सीमा में अर्जित कुल साधन आय (लगान + मजदूरी + ब्याज तथा लाभ) तथा विदेशों से शुद्ध साधन आय का जोड़ साधन लागत पर शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद अथवा राष्ट्रीय आय कहलाता है। (Net National Product at Factor Cost (NNP_{FC}) or National Income is the sum total of factor incomes (rent + interest + profit + wages) generated within the domestic territory of a country, alongwith net factor income from abroad during an year.)

अथवा

साधन लागत पर शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद (NNP_{FC}) एक वर्ष में एक देश के सामान्य निवासियों द्वारा अर्जित कुल साधन आय का जोड़ होता है। (NNP_{FC} is the sum total of factor incomes earned by normal residents of a country during an year.)

साधन लागत पर शुद्ध घरेलू उत्पाद (घरेलू आय) तथा साधन लागत पर शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद (राष्ट्रीय आय) में मूलभूत अन्तर

(Fundamental Difference between NDP_{FC} (Domestic Income) and NNP_{FC} (National Income)

घरेलू आय तथा राष्ट्रीय आय दोनों ही लगान, मजदूरी (जिसे कर्मचारियों का पारिश्रमिक भी कहते हैं) ब्याज तथा लाभ का जोड़ होती है। इन दोनों में मूलभूत अन्तर निम्नलिखित हैं:

घरेलू आय (NDP_{FC})	राष्ट्रीय आय (NNP_{FC})
* यह एक देश की घरेलू सीमा के अन्दर अर्जित कुल साधन आय का जोड़ है, **भले ही यह आय देश के निवासियों अथवा गैर-निवासियों द्वारा अर्जित की गई हो।**	* यह एक देश के निवासियों द्वारा अर्जित कुल साधन आय का जोड़ है, **भले ही यह आय देश की घरेलू सीमा अथवा शेष विश्व में अर्जित की गई हो।**
* इसमें विदेशों से शुद्ध साधन आय सम्मिलित नहीं होती।	* इसमें विदेशों से शुद्ध साधन आय को सम्मिलित किया जाता है।

(नोट: निर्यात – आयात (X–M) को विदेशों से शुद्ध साधन आय समझने की गलती मत करें। इसका अर्थ शुद्ध निर्यात है। 'X' (निर्यात) से अभिप्राय गैर-निवासियों द्वारा घरेलू उत्पाद पर व्यय है, और 'M' (आयात) से अभिप्राय अपने निवासियों द्वारा विदेशी उत्पाद पर व्यय है।)

विदेशों से शुद्ध साधन आय से अभिप्राय अपने निवासियों द्वारा शेष विश्व से अर्जित साधन आय (लगान, मजदूरी, ब्याज तथा लाभ) तथा गैर-निवासियों द्वारा अपने देश में अर्जित साधन आय के अन्तर से है।

Scanned with CamScanner

(8) साधन लागत पर सकल राष्ट्रीय उत्पाद या सकल राष्ट्रीय आय

(Gross National Product at Factor Cost or Gross National Income - GNP_{FC})

यदि साधन लागत पर शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद में घिसावट व्यय को जोड़ दिया जाए तो हमें साधन लागत पर सकल राष्ट्रीय उत्पाद प्राप्त हो जाती है। अर्थात्

NNP_{FC} + Depreciation = GNP_{FC}

स्पष्ट है कि

GNP_{FC} – Depreciation = NNP_{FC}

परिभाषा

(Definition)

सकल राष्ट्रीय आय एक देश में एक वर्ष में सामान्य निवासियों द्वारा अर्जित साधन लागतों का कुल जोड़ है जिसमें स्थायी पूंजी का उपभोग (घिसावट व्यय) सम्मिलित रहता है। (Gross National Product at Factor Cost (GNP_{FC}) is the sum total of factor incomes earned by normal residents of a country, alongwith consumption of fixed capital, during an year.)

(9) राष्ट्रीय प्रयोज्य आय *(National Disposable Income)*

राष्ट्रीय प्रयोज्य आय से अभिप्राय किसी देश की बाज़ार कीमत पर उस शुद्ध आय से है जो उस देश को खर्च करने के लिये उपलब्ध होती है। किसी देश की राष्ट्रीय प्रयोज्य आय, उस देश की राष्ट्रीय आय, शुद्ध अप्रत्यक्ष कर तथा शेष विश्व से प्राप्त चालू हस्तांतरण आय का जोड़ है। अर्थात्

राष्ट्रीय प्रयोज्य आय = राष्ट्रीय आय (साधन लागत पर शुद्ध घरेलू आय + विदेशों से शुद्ध साधन आय) + शुद्ध अप्रत्यक्ष कर + शेष विश्व से शुद्ध चालू हस्तांतरण।

परिभाषा

(Definition)

राष्ट्रीय प्रयोज्य आय वह आय है जो किसी देश के निवासियों को सभी स्रोतों (अर्जित आय एवं विदेशों में प्राप्त होने वाले चालू हस्तांतरण भुगतानों) से उपभोग या बचत के लिए एक वर्ष में प्राप्त होती है। (National Disposable income is the income from all sources (earned income as well as current transfer payments from abroad) available to residents of a country for consumption expenditure or for saving during an year.)

राष्ट्रीय प्रयोज्य आय की सकल तथा शुद्ध धारणाएं

(Gross and Net Concepts of National Disposable Income)

इन धारणाओं में निम्नलिखित आधारभूत अन्तर हैं:

Scanned with CamScanner

चालू पुनर्स्थापन लागत क्या है?
यह किसी राष्ट्र द्वारा एक वर्ष में उपयोग की जाने वाली सम्पत्ति के बेकार हो जाने के कारण उसके पुनर्स्थापन की लागत है। यह सम्पूर्ण अर्थव्यवस्था की घिसावट लागत है।

सकल राष्ट्रीय प्रयोज्य आय में चालू पुनः स्थापन्न लागत (Current Replacement Cost) शामिल होती है। जबकि शुद्ध राष्ट्रीय प्रयोज्य आय में शामिल नहीं होती। अतः

शुद्ध राष्ट्रीय प्रयोज्य आय = सकल राष्ट्रीय प्रयोज्य आय – चालू पुनर्स्थापन लागत

■ (10) निजी क्षेत्र को शुद्ध घरेलू उत्पाद से प्राप्त साधन आय
(Factor Income from Net Domestic Product Accruing to Private Sector)

प्रत्येक अर्थव्यवस्था में मुख्य रूप से दो क्षेत्र होते हैं - **(1) निजी क्षेत्र** (Private Sector): इसके अन्तर्गत वे सभी उद्यम शामिल होते है जिनका स्वामित्व निजी व्यक्तियों के हाथ में होता है। **(2) सार्वजनिक क्षेत्र** (Public Sector) सार्वजनिक क्षेत्र वह क्षेत्र है जिसके अन्तर्गत सरकार के **प्रशासनिक विभाग, विभागीय** (Departmental) (तथा **गैर विभागीय** जैसे: रेल विभाग और डाक तथा तार सेवाएं) (Non-Departmental) उद्यम (जैसे एयर इण्डिया और इण्डियन एयरलाइन्स) शामिल होते हैं। **किसी देश में उत्पादित शुद्ध घरेलू उत्पाद का जो भाग निजी क्षेत्र को प्राप्त होता है उसे निजी क्षेत्र को शुद्ध घरेलू उत्पाद से प्राप्त साधन आय कहा जाता है।**

■ परिभाषा
(Definition)

डर्नवर्ग के अनुसार, **"निजी क्षेत्र को शुद्ध घरेलू उत्पाद से प्राप्त आय का अर्थ है श्रमिकों के पारिश्रमिक, प्रचालन अधिशेष तथा मिश्रित आय के रूप में अर्जित शुद्ध घरेलू उत्पाद की साधन लागत का वह भाग जो निजी क्षेत्र को प्राप्त होता है।"** (Factor income from net domestic product accruing to private sector is that part of factor cost of net domestic product generated in the form of compensation to employees, operating surplus and mixed income which is accrued to the private sector. **-Dernburg)**

निजी क्षेत्र को शुद्ध घरेलू उत्पाद से प्राप्त आय में साधन लागत पर शुद्ध घरेलू उत्पाद का केवल वह भाग ही शामिल किया जाता है जो निजी क्षेत्र को प्राप्त होता है। वास्तव में इसमें (i) विभागीय उद्यमों की सम्पत्ति तथा उद्यमवृत्ति से प्राप्त आय, और (ii) गैर-विभागीय उद्यमों की बचत को शामिल नहीं किया जाता।

साधन लागत पर शुद्ध घरेलू उत्पाद – विभागीय उद्यमों की सम्पत्ति तथा उद्यमवृत्ति से प्राप्त आय – गैर विभागीय उद्यमों की बचत = निजी क्षेत्र को शुद्ध घरेलू उत्पाद से प्राप्त साधन आय

■ (11) निजी आय *(Private Income)*

निजी आय से अभिप्राय उस आय से है जो निजी क्षेत्र को एक लेखा वर्ष में सभी स्रोतों से प्राप्त साधन आय तथा सरकार और शेष विश्व से प्राप्त वर्तमान हस्तांतरण भुगतान का जोड़ है।

Scanned with CamScanner

■ परिभाषा
(Definition)

केन्द्रीय सांख्यिकी संगठन के अनुसार, "**निजी आय वह आय है जो निजी क्षेत्र को सभी स्रोतों से प्राप्त होने वाली साधन आय तथा सरकार से प्राप्त वर्तमान हस्तांतरण और शेष विश्व से प्राप्त वर्तमान हस्तांतरण का जोड़ है।**" (Private income is the total of factor income from all sources and current transfers from the government and rest of the world accruing to private sector. — **Central Statistical Organisation**)

निजी आय में **साधन आय** तथा **हस्तांतरण भुगतान** दोनों को शामिल किया जाता है। राष्ट्रीय आय से निजी आय ज्ञात करने के लिये राष्ट्रीय आय में (1) सरकार से प्राप्त चालू हस्तांतरण (2) राष्ट्रीय ऋण पर ब्याज, (3) शेष विश्व से चालू हस्तांतरण को जोड़ा जाता है तथा राष्ट्रीय आय में से (1) सरकारी विभागीय उद्यमों को सम्पत्ति व उद्यमवृति से प्राप्त आय तथा (2) गैर-विभागीय उद्यमों की बचत को घटाया जाता है। इसके अन्तर्गत सरकारी क्षेत्र को प्राप्त होने वाली आयको शामिल नहीं किया जाता। यह निजी क्षेत्र को शुद्ध घरेलू उत्पाद से प्राप्त आय, विदेशों से शुद्ध साधन आय तथा वर्तमान हस्तांतरण भुगतान का जोड़ है अर्थात्

निजी आय= निजी क्षेत्र को शुद्ध घरेलू उत्पाद से प्राप्त आय+ राष्ट्रीय ऋण पर ब्याज + विदेशों से शुद्ध साधन आय+ सरकार से वर्तमान हस्तांतरण + शेष विश्व से शुद्ध वर्तमान हस्तांतरण

राष्ट्रीय आय तथा निजी आय में अन्तर
(Difference between National Income and Private Income)

राष्ट्रीय आय तथा निजी आय में मुख्य अन्तर निम्नलिखित है:

(1) राष्ट्रीय आय में अर्थव्यवस्था के सार्वजनिक क्षेत्र तथा निजी क्षेत्र दोनों की आय शामिल की जाती है। इसके विपरीत निजी आय में केवल **निजी क्षेत्र की आय शामिल की जाती है।**

(2) राष्ट्रीय आय में केवल साधन आय शामिल की जाती है। इसमें किसी भी प्रकार के **हस्तांतरण भुगतान** शामिल नहीं किये जाते। इसके विपरीत निजी आय में साधन आय तथा सरकार से प्राप्त वर्तमान हस्तांतरण और शेष विश्व से प्राप्त शुद्ध वर्तमान हस्तांतरण शामिल किये जाते हैं।

(3) राष्ट्रीय आय में राष्ट्रीय ऋण पर दिये गये ब्याज को शामिल नहीं किया जाता परन्तु निजी आय में राष्ट्रीय ऋण पर दिये गये ब्याज को शामिल किया जाता है।

निजी क्षेत्र को शुद्ध घरेलू उत्पाद से प्राप्त साधन आय तथा निजी आय में अन्तर
(Difference between Factor Income from Net Domestic Product Accruing to Private Sector and Private Income)

(i) निजी आय की धारणा निजी क्षेत्र को शुद्ध घरेलू उत्पाद से प्राप्त साधन आय की धारणा की तुलना में अधिक व्यापक है।

(ii) निजी आय में साधन आय के अतिरिक्त चालू हस्तांतरण भुगतान भी शामिल होते हैं जबकि निजी क्षेत्र को शुद्ध घरेलू उत्पाद से प्राप्त साधन आय में केवल साधन आय शामिल है।

Scanned with CamScanner

(iii) निजी आय एक **राष्ट्रीय धारणा है। इसमें घरेलू उत्पाद के अतिरिक्त विदेशों से शुद्ध साधन आय भी शामिल होती है जबकि निजी क्षेत्र को शुद्ध घरेलू उत्पाद से प्राप्त साधन आय एक घरेलू** धारणा है। इसमें विदेशों से प्राप्त शुद्ध साधन आय शामिल नहीं होती।

(iv) निजी आयमें राष्ट्रीय ऋण भी शामिल होता है जबकि निजी क्षेत्र को शुद्ध घरेलू उत्पाद से प्राप्त साधन आय में यह शामिल नहीं होता।

■ (12) वैयक्तिक आय *(Personal Income)*

वैयक्तिक आय किसी देश के व्यक्तियों व परिवारों को एक लेखा वर्ष में सभी स्त्रोतों से वास्तव में प्राप्त साधन आय तथा वर्तमान हस्तांतरण भुगतान का जोड़ है।

■ परिभाषा
(Definition)

पीटरसन के अनुसार, **''वैयक्तिक आय व्यक्तियों द्वारा सभी स्त्रोतों से वास्तव में प्राप्त साधन आय तथा वर्तमान हस्तांतरण भुगतान का जोड़ है।''** (Personal income is the income actually received by persons from all sources in the form of current transfer payments and factor income. — **Peterson**)

वैयक्तिक आय के अन्तर्गत व्यक्तियों को सभी स्त्रोतों से वास्तव में प्राप्त होने वाली आय को शामिल किया जाता है। उदाहरण के लिए, फर्मों या निगमों को जो लाभ प्राप्त होते हैं उसमें से कुछ भाग व्यक्तियों में नहीं बांटा जाता। वह **अवितरित लाभ** (Undistributed Profit), जिसे **उद्यमों की बचत** (Corporate Saving) भी कहा जाता है के रूप में फर्मों के पास रह जाता है। सरकार भी, वैयक्तिक आय के एक भाग को, **निगम लाभ कर** (Corporate Proft Tax) के रूप में प्राप्त करती है। यह दोनों भाग (उद्यमों की बचत और निगम कर) परिवारों को प्राप्त नहीं होता है। इसलिए, निजी वैयक्तिक आय की गणना करने के लिए, इन्हें निजी आय से घटाया जाता है।

निजी आय तथा वैयक्तिक आय का मुख्य अन्तर यह है कि निजी आय में निजी निगमों की बचतें और निगम कर शामिल होते हैं जबकि वैयक्तिक आय में ये शामिल नहीं होते।

निजी आय – निजी उद्यमों की बचतें – निगम कर = वैयक्तिक आय

निजी आय तथा वैयक्तिक आय के बीच अन्तर
(Difference between Private Income and Personal Income)

निजी आय की धारणा वैयक्तिक आय की तुलना में अधिक विस्तृत है। निजी आय तथा वैयक्तिक आय का मुख्य अन्तर यह है कि निजी आय में निजी उद्यमों की बचतें (विदेशी कम्पनियों की शुद्ध प्रतिधारित आय को निकाल कर) तथा निगम कर शामिल होते हैं जबकि वैयक्तिक आय में ये शामिल नहीं होते।

वैयक्तिक आय तथा राष्ट्रीय आय में अन्तर
(Difference between Personal Income and National Income)

वैयक्तिक आय तथा राष्ट्रीय आय में मुख्य अन्तर निम्नलिखित हैं:

(i) वैयक्तिक आय की धारणा आय **प्राप्ति** (Receipt) सम्बन्धी धारणा है जबकि राष्ट्रीय आय की धारणा आय के सृजन सम्बन्धी धारणा है।

Scanned with CamScanner

(ii) घरेलू उत्पाद से सरकारी क्षेत्र को प्राप्त आय राष्ट्रीय आय का अभिन्न अंग है लेकिन वैयक्तिक आय का नहीं है।

(iii) राष्ट्रीय आय में राष्ट्रीय ऋण पर दिये गये ब्याज को शामिल नहीं किया जाता परन्तु वैयक्तिक आय में राष्ट्रीय ऋण पर दिये गये ब्याज को शामिल किया जाता है।

(iv) राष्ट्रीय आय में अवितरित लाभ तथा निगम कर शामिल होते हैं जबकि वैयक्तिक आय में अवितरित लाभ तथा निगम करों को शामिल नहीं किया जाता।

(v) राष्ट्रीय आय में केवल साधन आय शामिल की जाती है। इसके विपरीत वैयक्तिक आय में साधन आय तथा हस्तांतरण भुगतान दोनों शामिल किये जाते हैं।

■ (13) वैयक्तिक प्रयोज्य आय *(Personal Disposable Income)*

वैयक्तिक प्रयोज्य आय वह आय है जो परिवारों को सभी प्रत्यक्ष कर देने तथा सरकार को अनिवार्य भुगतान करने के बाद सभी स्रोतों से प्राप्त होती है और जिसे वे अपनी इच्छानुसार खर्च करने तथा बचत करने के लिये स्वतन्त्र होते हैं। इसके द्वारा उनकी क्रय शक्ति का अनुमान लगाया जा सकता है।

■ परिभाषा
(Definition)

पीटरसन के अनुसार, **''प्रयोज्य आय वह आय है जो परिवारों को सभी स्रोतों से प्राप्त होती है तथा उनके पास सरकार द्वारा उनकी आय तथा सम्पत्तियों पर लगाये गये सब प्रकार के करों का भुगतान करने के बाद बचती है।''** (Disposable income is the income available to persons from all sources and remaining with them after deduction of all taxes levied against their income and their property by the government.-**Peterson**)

प्रयोज्य आय ज्ञात करने के लिये वैयक्तिक आय में से प्रत्यक्ष करों तथा सरकारी प्रशासनिक विभागों की विविध प्राप्तियों अर्थात् फीस, जुर्माने, नगर पालिकाओं द्वारा लगाये गये सफाई कर आदि को घटा दिया जाता है।

प्रयोज्य आय = वैयक्तिक आय – प्रत्यक्ष वैयक्तिक कर – सरकार के प्रशासनिक विभागों की विविध प्राप्तियां

वैयक्तिक आय तथा प्रयोज्य आय में अन्तर
(Difference between Personal Income and Disposable Income)

वैयक्तिक आय वह आय है जो व्यक्तियों तथा परिवारों को सभी स्रोतों से वास्तव में प्राप्त होती है। निजी आय में से निगमों के अवितरित लाभ और निगम कर को घटा कर वैयक्तिक आय का अनुमान लगाया जा सकता है। इसके विपरीत प्रयोज्य आय वह आय है जो सभी प्रकार के प्रत्यक्ष करों तथा सरकारी प्रशासनिक विभागों की विविध प्राप्तियों का भुगतान करने के पश्चात् लोगों के पास बचती है।

Scanned with CamScanner

वैयक्तिक प्रयोज्य आय तथा राष्ट्रीय प्रयोज्य आय में अन्तर
(Difference between Personal Disposable Income and National Disposable Income)

वैयक्तिक प्रयोज्य आय तथा राष्ट्रीय प्रयोज्य आय भिन्न धारणायें हैं। वैयक्तिक प्रयोज्य आय द्वारा किसी देश के केवल व्यक्तियों तथा परिवारों की वैयक्तिक आय ज्ञात होती है। इसके विपरीत राष्ट्रीय प्रयोज्य आय द्वारा समस्त देश की प्रयोज्य आय ज्ञात होती है। **राष्ट्रीय प्रयोज्य आय की गणना साधन लागत पर शुद्ध घरेलू आय, शुद्ध अप्रत्यक्ष करों, विदेशों से शुद्ध साधन आय तथा शेष विश्व से शुद्ध चालू हस्तांतरण को जोड़ कर की जाती है।**

राष्ट्रीय आय सम्बन्धी विभिन्न धारणायें तथा सम्बन्धित समुच्चय - एक दृष्टि में
(Different Concepts of National Income and Related Aggregates - At a Glance)

1. बाजार कीमत पर सकल घरेलू उत्पाद (GDP_{MP})	=	एक लेखा वर्ष में देश की घरेलू सीमा में सभी उत्पादकों द्वारा उत्पादित अन्तिम वस्तुओं तथा सेवाओं का बाजार मूल्य
2. बाजार कीमत पर सकल राष्ट्रीय उत्पाद (GNP_{MP})	=	GDP_{MP} + विदेशों से शुद्ध साधन आय
3. बाजार कीमत पर शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद (NNP_{MP})	=	GNP_{MP} – स्थायी पूंजी का उपभोग या मूल्यह्रास
4. बाजार कीमत पर शुद्ध घरेलू उत्पाद (NDP_{MP})	=	NNP_{MP} – विदेशों से शुद्ध साधन आय
5. साधन लागत पर शुद्ध घरेलू उत्पाद (NDP_{FC}) या शुद्ध घरेलू आय	=	NDP_{MP} – अप्रत्यक्ष कर + आर्थिक सहायता
6. साधन लागत पर सकल घरेलू उत्पाद (GDP_{FC})	=	NDP_{FC} + मूल्यह्रास
7. साधन लागत पर सकल राष्ट्रीय उत्पाद (GNP_{FC})	=	GDP_{FC} + विदेशों से शुद्ध साधन आय
8. साधन लागत पर शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद या राष्ट्रीय आय (NNP_{FC} or NY)	=	GNP_{FC} – मूल्यह्रास
9. शुद्ध राष्ट्रीय प्रयोज्य आय	=	शुद्ध घरेलू आय + शुद्ध अप्रत्यक्ष कर + विदेशों से शुद्ध साधन आय + शेष विश्व से शुद्ध चालू हस्तांतरण
10. सकल राष्ट्रीय प्रयोज्य आय	=	शुद्ध राष्ट्रीय प्रयोज्य आय + चालू पुनर्स्थापन लागत
11. निजी क्षेत्र को घरेलू उत्पाद से प्राप्त आय	=	साधन लागत पर शुद्ध घरेलू उत्पाद – विभागीय उद्यमों की सम्पत्ति तथा उद्यमवृत्ति से प्राप्त आय – गैर विभागीय उद्यमों की बचत
12. निजी आय	=	निजी क्षेत्र को घरेलू उत्पाद से प्राप्त आय + विदेशों से प्राप्त शुद्ध साधन आय + सरकार से वर्तमान हस्तांतरण + शेष विश्व से वर्तमान हस्तांतरण + राष्ट्रीय ऋण पर ब्याज
13. वैयक्तिक आय	=	निजी आय – निगम लाभ कर – उद्यमों की बचतें।
14. वैयक्तिक प्रयोज्य आय	=	वैयक्तिक आय – प्रत्यक्ष वैयक्तिक कर – परिवारों द्वारा दिए गए विविध फीस और जुर्माने।

Scanned with CamScanner